०र्से न और द्वर क मी ० ईस मी ८ मा ४० न सुमा था

मो्र-माबी

कुर्रागुर्दर्गर्नियरः कुंश्चरागुर्द्र्यः चीचश्चय। हे.त्तरः उद्दर्गचीर बर.मी कुंचर्नर्रार्ट्यचीयथ। हे.जग्रत्यर्तयर कुंमी.माजु उद्यामामुनु हुन् उर्जु तम्मानामा र.र्टर.अभ्यः क्षेत्र कुना क्षेत्रः कुन्तर्भः कुन्तर्भः हे.जुर्टरानु अर्घर रट्टरानुभय। र.ज्येजायः

ल्ट्ताक्षया अन्तर् केल्ट्तामाक्ट्रीक्टिन्येट्ट उर्जू सम्बद्धान्य स्टान्य्यू क्ट्रिन्यन्यन्त्र क्षेत्रमान्ने कष्टिने क्षेत्रमान्ने क्षेत्रमान्ने क्षेत्रमान्ने कष्टिने क्षेत्रमान्ने क्षेत्रमान

भुतु र्ययर.क.र्. विभग क्रिग, थेय और उत्तर र्यूम, चार्चु जमाधवाक्रा हे त्यर. चार्चा चाडुचा उत्तर. उर्जू चाश्र क्ष्मीं मार्च्य तमार्च्य जमार्च्य विभाग क्षेत्र व्यूम अववश्य क्षीं विभाग क्षेत्र व्यूम विभाग क्षेत्र व्यूम अववश्य क्षीं विभाग क्षेत्र व्यूम विभाग क्षेत्र व्यूम विभाग क्षेत्र व्यूम विभाग क्षेत्र विभाग क्षेत्र व्यूम विभाग क्षेत्र विभाग क्षेत्र विभाग क्षेत्र विभाग क्षेत्र व्यूम विभाग क्षेत्र विभाग क्षेत्र

दे.लरः क्विरायमः द्वे.ची.नरः व.अधिव.उसेरालरः देवा दरः मूरः उद्गुरा चीरः देमूरा देलरः मात्रे अरा प्रमा ह्या

ट्वट. | ट्रे.जग. मैं कुटुर्टजर्वट. मुह्माजन्न भूजं मन्द्रमान कुन्न स्वापन स्वापन

तु.लीपमाजुर्य-उत्तर-दुलूर्। दु-लार-उद्विमाजुर्-चिनाय-क्ष्युमाना-क्ष्युमान-दर-प्राचीर-क्ष्युमान-दर-प्राचीर-ज्यात-अधिर-दु-दर-। उत्त्य-भूतुक्त-द्य-दर-प्राचु-हेर्य-क्ष-द्य-तर-क्ष्यीर-क्ष-वीर-क्

ट्रे.उचरस.जग्न. ट्रज्य.त्रर्ग

उद्दर्भ मुरिन् है। क्रूचीय जूर या विचा बजा उद्देशया बरा जया।

इ.क्ट्र.केता

≆.क्बं∴रतो

चावट दुवा कुखिरणा क्रै.स्टूजा क्रेज्य, संजय मुज्य, जज्यूचाना ता चुली. तत्र स्वित क्रेज्य क्रिय क्रिय

म्रावक्ष द्रियान्ता व्यत् स्तान्तर स्तान्तर स्तान्तर स्तान्तर मीर्थना अर्जुर माल्या येन पार्वे कार्ये स्तान्तर अर्जिन स्तान्तर स्तान श्र्यूर.ठचर.रिवे.च.के.श्रु.कूच **इ.क्र्य**ःइत। उर्मे त.श.म.म.स.श.श.कुर्द्र राजन्यर र्या र्या राजा है राजा है वा श्वी विकास करी इ.क्र्यं.न्त्रा उर्चो च श्री मा राक्षेत्र सुर . च्रामार्थमा अपर प्रवास के विद्याना के मार्थमा अपर प्रवास के स्वास प्रवास के स्व इ.क्ब.तत्र। उर्चा मुना मान क्षेत्र स्ट स्वा हिन स्ट मिना हुत हुन प्रेन प्राप्त स्वापित स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व इ.क्थ.ल्ता सुमान कुरिया माने उत्तर सर. मार स. वर्जी वर्जी मान्न स्था दिया कर्जी कि मान ¥.क्र्य.जता . ह्रिमन उर्दे सी. ठर्मू म. इ. उर्दे मधेना सुर्थ जना. यो. इ. सी. ह्रिमन इ. क्योन इंट हुंचीन इस. इत. हुंची महिन ह्यों हुंचा हिना हिना हुंची योन हरें हुंचा ह . વધુ. છે. કુદ. તર્ર હ્રિયાના કુના કુના કુમાના કુણ કુના તરફા છે. કુના હાલ કુના તામ કુના તાન કુના તાને કુના તાન - તાનુ કુના તાન કુના કુના કુના કુના કુના તાનુ કુના તાનુ કુના તાનુ કુના તાનુ કુના તાને કુના તાને કુના તાને કુના इ.क्यं.४ता % त्रुमारा कृष मृत्र- , त्यन्यं त्रुमारा मिल्या त्रिन , यो र मिल्या मिलय र्जव तरु गुजाववगारवर रियोत रहे.यो रामी वृत्तर रिवर श्रियी इ.क्ट्रिप्ता ह्मेशकार्यः अध्ययः प्रत्ये प्राचीर उपर वीर्यः । रूरिश जूबा अपर्यं अध्यात्र अध्यात्र अध्यात्र वीर्या विश्वा विश्व \$.æ2.100±11 <u> खुनः क्रूचीयः तः मीठ्या मीयः उत्तरः दर्मो पदः धूनः रत्तरः श्रः दूशः माः रः शः जूरी</u> £.æ2.33.71 भ्राभार विभाग रित्र की वर्ता मात्र स्थित है। यह अपनि साम कि स . केम.त.ज्ञेटत.ठचट. च.ड्र.क्र्च.तद्व.सूच.टचट.लूटी

मद्रिष्ठेमः इव क्रि.सान्मः इति क्षेत्रं देन्याना कर्ता क्षेत्राचा वर्ते व्यक्तिः स्वतः स इ.क्यं के ती *વી એર પ્ર*ન્સ એર ના ક્રમણ ખર નાર્વેર પા ના ના મારે છે. હેના એ પ્રાપ્ત કરે છે. તે તે તે કારણ કરી કરી તે કારણ કરી તે કો મારે જે છે. તે કો મારે કારણ કરી તે કો મારે કારણ કો કો મારે ક મારે કો મારે ક \$.eg2.135+11 शुर्मुराचा र.जे. कैजावन र.र् नाधुर क्रि.शां अक्तावर तमूर जि. या है उक्ते पर तक्कि सूचान ररा। या है यथि महत्र र महत्र सूचा महत्र हूं मान तहें हैं शुर्द्राचा र क्षेत्र दरः रर गुरु मिनापन पञ्चमान, मेलवाना मेलवाना र क्षेत्र दर पलमा मे वर्जी स्वीत हिए। श्रम क्या पर गुरु मिनापन वर अवूर स्वापित स्वीत हिणा इ.क्ट्रीकेट्री શુ. દુશ.વા.મ.લી. કેવા. શ્રુંદ. જળ. કીમ કાવાયાલી. મૈળાવવા ત્રાબવી ધમમ શ્રેવળ ક્રિયે. જુવે. છું કુંદ. જુવા તહું શુવા ત્વાર ભૂતી . होर. र्.च. र.च. त्रमेशन दे के अ.जे. लत्य. तह्म म्रीर. क्री. क्री. क्री. क्री. र.च. त्रमेश क्री. त्या त्रमान क्री. त्या त्रमेश क्री. त्या त्रमान क्री. त्या त्या त्रमान क्री. त्या त्या त्रमान क्री. त्या त्या त्रमान क्री. त्या त्या त्रमान क्री. त्या त्रमान क इ.क्ट्रीजन्त्री मा-र-अञ्चासरमा की खेरा-र्यर लूरी मा शुः भर देश रा खेर प्रस्तर रे रे की ख़रश होंच द्वर के द्वर पा चर्चे का के नाप का कर ही ख़रश रो र वेदि होंच द्वर को द्वर पा चर्चे की के न इ.क्यं.७ल्ला जूर्यकूर्तस्य तपुत्र्य्म् यात्र क्षेत्रस्य अन्द्रमाथान्दर्भातिरथा लत्य कूराजीयोगायो. इ.त. क्षेत्रस्य ने स्थितियोष्ठेय मिना द्वीत्त्रम् स्थित् कुर्यास्य स्थित् कुर्यास्य स्थितिया स्थितिय स्थितिया स्थितिय स्थ ब्रुच-देवर-देर- फर्नेजन्दर-उन्जेजनवुःब्रुच-देवर-क्र्-उर्द-अभेश-झ्रे-राब्रुच-देग् चाप्रेय टार्ड्रशत द्वीची घर. चाप्रेय टार्ड्रशत द्वीश्वय तद्वाचाय द्वीचाय क्वीरानर राष्ट्रशत द्वीचाय क्वीराय हिम चन्न कित्र के स्वापन कित्र के से कित्र के स्वर् की स्र मिल प्तर मिल पन्न कित्र के स्वर् की स्वर् की स्र मिल पन्न स्वर् कित्र के स्वर् की स्वरं की स्वर् की स्वर की स्वर् की स्वर की स्वर् की स्वर् की स्वर् की स्वर की इ.क्ट्रीजना थु,र्स्था.च.र.जै. ४८.भैर. लत्य. कुं.क्वं.वर.जै. मैं.रर्द्श.चर्च।रंगर.ठनर.वुंतु:४८.रंगर.लूरी मा समीवायमः सम्बद्धिः मूर्मेवार्षेन म्पन्यविषाः देशके देशके मिन्ने स्वीता इ.क्ट्.५८ता चार अं अर्थु त्यां नाम निर्देश हो हो हो ज्या कुरा अंचीया नाम का प्रति विद्या स्वार प्रति विद्या स्वार में कुरा अंचीया नाम विद्या स्वार प्रति विद्या स्वार स्वार

शर.लरवं.रर.भैर.उतर्र रे. शूँच.बुर.रर.बैर.त.उतर.कुर्च

त्रुरसम्बन्धारम्यः चर्न्यक्ष्म्यक्षाः चर्न्त्यं उक्कृत्युः दरज्ञयं त्री हे जनस्त्रम्यः स्त्रिन्दः क्ष्र्यः वर्म्यक्ष्यः चार्यः वर्षः क्ष्र्यः वर्षः क्ष्र्यः स्त्रम्यः स्त्

¥.क्र्य.४०त।

च.र.जि.धु.चर्.र्टर.र्जव.राजु.कूचीया.उडूकाया.उकूचीया.वु.र्टर. कूचीया.राज्ञ बुदु.रज्ञर्चार जूरी

चा.अ.लट.कूर्याश.टा.इचा.वट.उर्ह्जट्यू.टाउ.घटश.अट.चे.टा.टार्श्याश.कूर्या

इ.क्थ्.४७८१

शुना-र.अ.र.र.शूट्र-मैजायनःक्षु-योबिरःभूर्यु-वरःअ.वर्तानर्यः नियत्तरः मुच्चा जमानान्या ठवी ठवर प्रत्या मुच्चा अ

શુ. ત્યાં ત્રાં ક્ષેત્ર ક્ષેત્ર

क्षित्र हुत्तान के वार्य त्या के वार्य त्या के वार्ष त्या के वार्ष वार्

≨.क्⊴.ऽऽत्।

जलकूर्यानान्तः मैनाजन क्रिस्ट्रांबिटनाः स्ट्रान्त्रः सून्यूप्ट्रान्त्रमान्त्रिस्ट्रान्त्रम्

इ.क्थं.४३८१

ऐन ब्रीस्चाजन श्री सं.लास द्वीय स्म्या वित्त स्मान्य स्वावित स्वाव

मा र.स. रहा सर मुद्धामानव क्षे केव सीर मी रूप सी. कूर उने मानतु भीर मैं मी कूर्या भारति मुद्धा रहा । वर्ष के मूर्य भारती वर्ष केव सी उर्द्धा केव सी अपने मान

**३.क्थ**ंडन्।

मा.र.ज. र्रेटिजसूर्यायः र्टर पश्चरातुः जूनः कृर्यः त्रेषः त

¥.क्⊈.ऽतत्।

जचा जी श्रृेष बिचानाना सिचान अञ्चा स्टाजूब सुस्य मान्यु चार्यन अपना स्टाज्य विचान स्टाज्य सुम्य सुम

નુ! તકાર. જ્. મું ની કી ના બાનજાત. તર્સુર. તા જેવ. તર. તરું. સુર. લી. જાતૂ તારું. ત્ર્યું જા. જેવ. તરું સુર. તર્જી સેટ. તર્જૂના રન્યું તારું. ત્યારે તા રીનાર. જૂરી

चटुत्वाजी.चा.डु. माथुर्य.संस. मृं चोथुर्या.क.मजी. थु.कुंदु थेष श्रीम् चीक्टा.संचर. उसंभाभानूर्य। भादु चोषिरा स्रोचना.संचर्या.संचर्या.संचरा उसु चोथुराजी. स्थुचीयाचराजा क्किंचार चार्या चोथुर्य.संचरात्राची चोथेष क्किंम जी विश्व क्किंग चार्या चोथेष क्किंम क्किंग चार्या चार्या चोथेष क्किंम क्किंग चार्या चार्य

इ.क्थं.उल्ला

धिर्द्धना मुन्तुमालूर्य मुक्तालूर्य मुक्तालूर्य

≆.क्र्यःऽजन।

र्जर्यर-जूरी बार-जिथु-ब्रिज्य-ब्रिज्य-क्रिज्य

માત્ર ઊત્રદાનુ મુંતુના અના મુંત્ર કે, નીન નૂર્ર તરુ. જ્યું રુમાર્ટના સ્થાર અના કર્જાનું તરું તરું તું કે ક્યું કે ક્યા કી દર્ષા કે ના કુ ની કૃત દ્વારા માત્ર

इ.श्बं.४४ती

३.क्र्यःउपा

न्। र.से. रर.रेचर.ची. बूच. जन्न जु.से.से.चे.न.न.चु.सं. उचर.चे.सं. इ.स.चे. उचर.चे.सं. उचार.चि.सं.स्.

¥.क्र्यंडन्ता